

ग्रसायारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3---उपराण्ड (11)*

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Rio 28]

नई विस्स्रो, बृहस्पतियार, धनवरी 17, 1974/पौष 27, 1895

No. 28

NEW DELHI, TH URSDAY, JANUARY 17, 1974/PAUSA 27, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 17th January 1974

S.O. 41(E)/IDRA/74.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 34(E)/18FB/IDRA/73, dated the 19th January, 1973, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all or any of the contracts assurances of property, agreements, settlements, awards, or other instruments in force immediately before the publication of the said Order in the Official Gazette to which the industrial undertaking known as Messrs. Containers and Closures Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto 18th January, 1974 and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto 18th January, 1974;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for another one year commencing from the 19th January, 1974;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duragen of the said Order upto the 18th January, 1975.

[No. F.2/17/72-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ग्रीद्योगिक विकास मंत्राक्षय

श्रादेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1974

का अप 41 (श्र)/श्राई की श्रार ए/74.--पतः केन्द्रीय सरकार ने, भारतः सरकार के श्रीचोगिक विकास मंत्रालय (श्रीचोगिक विकास विभाग) के श्रादेश संव काव श्राह 34 (ई)/18 एक बी/श्राई व डीव आरव एव/73, तारीख 19 जनवरी, 1973 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तन श्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उप-धारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रशोग करते हुए घोषणा की थी कि राजात में उक्त श्रादेश के प्रकाशन के ठीक पूर्व प्रवृत्त एंमी सभी संविदाशों, सम्पत्ति के हस्तान्तरणपत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, या श्रन्य लिखतों या उनमें से किसी का प्रवर्तन, जिसका मैंसर्स कन्टेनसं एण्ड क्लोजसं लिमिटेड, कलकत्ता नामक श्रीद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त श्रोद्योगिक उपक्रम को लागू हो, 18 जनवरी, 1974 तक निलम्बित रहेगा श्रीर उक्त तारीख से पूर्व उसके श्रिधीन प्रवृत्त या उद्भूत होने वाले सभी श्रिधकार, विश्वाधिकार, बाध्यताएं श्रीर दायत्व 18 जनवरी, 1974 तक निलम्बत रहेगे;

भीर यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेण की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ाई जानी चाहिए, जो 19 जनवरी 1974 में प्रारम्भ होगी ;

म्रतः म्रब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भ्रौर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त म्रादेश की भ्रविध 18 जनवरी, 1975 तक बढ़ाती है।

[सं फा ० 2/17/72-मी यूसी]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।